उद्योग-वैज्ञानिक-किसान सम्मेलन

उद्योग-वैज्ञानिक-किसान सम्मेलन का आयोजन 16 मार्च 2023 को आईसीएआर- केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम पर किया गया। यह इंटरफ़ेस मीटिंग में 11 राज्यों से 32 इंडस्ट्री व्यक्ति और 35 प्रगतिशील किसान हिस्सा लिया। डॉ. मनीष कुमार चेतली, निदेशक, आईसीएआर- केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान ने भारत में बकरी पालन की वर्तमान स्थिति और भविष्य के संभावनाओं के बारे में बताया और आर्थिक स्थिरता और पशुधन के संरक्षण के लिए तकनीक द्वारा उत्पादन के महत्व को जोर दिया। डॉ. पी.के. शुक्ला, डीन, पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय और डॉ. विकास पाठक, निदेशक (अनुसंधान), दुवासु, मथुरा ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

समारोह के दौरान, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित दो बकरी आवास प्रौद्योगिकियां अर्थात् (1) बकरियों के लिए प्लास्टिक फर्श आधारित दो स्तरीय आवास मॉडल और बकरियों की सभी नस्लों के लिए उपयुक्त मोबाइल-हैंगिंग टाइप बकरी फीडर को मैसर्स मूर्ति एग्रो ट्रेडर्स, विल्लुपुरम, तमिलनाडु को स्थानांतरित कर दिया गया। डॉ. मनीष कुमार चटली, निदेशक ने बताया कि बकरियों के लिए दो स्तरीय आवास प्रौद्योगिकी उन उद्यमियों के लिए अनुकूल है जो शहरी क्षेत्रों में बकरी पालन करना चाहते हैं जहां जगह की कमी है और इस तकनीक के साथ, दिए गए स्थान में दोगुनी संख्या में बकरे पाल सकते हैं।

उद्योग साथियों और किसान उद्यमियों ने केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम के वैज्ञानिकों के साथ एक पैनल चर्चा की जिसमें निदेशक डॉ। मनीष कुमार चतली ने अध्यक्षता की। उन्होंने भारत में बकरी उत्पादन द्वारा सामने आने वाली चुनौतियों को बताया और उन्हें कम करने के लिए लागू की जाने वाली तकनीकों के बारे में चर्चा की। इस इंटरफेस ने बहुत सारे महत्वपूर्ण मुद्दों को पहचाना जिन्हें भविष्य में अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाएगा।